सीएसए ने धूमधाम से मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

उत्कृष्ट कार्य हेतु एनसीसी कैडेट्स एवं अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया। तथा राष्ट्रगान के पश्चात कुलसचिव एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभी सदस्यों व एनसीसी कैडेट्स एवं सुरक्षाकर्मियों ने तिरंगा को सलामी दी।तत्पश्चात कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व विद्यालय परिवार की ओर से हम उन सभी योद्धाओं को नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। जिनकी वजह से हम इस दिन को मना रहे हैं। कुलसचिव ने कहा कि कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों के क्रियान्वयन हेतु देश में शोध संस्थानो, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ,कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूंग की प्रजाति आजाद मूंग-1, अलसी की अपर्णा, सरसों की आजाद महक, तोरिया की आजाद चेतना तथा जौ की आजाद जौ- 33 प्रजातियों का सीबीआरसी द्वारा नोटिफिकेशन हुआ है। इसके साथ ही एसबीआरसी द्वारा अलसी शेखर-7, सरसों शेखर,गेहूं के 1616, के 17 11 एवं तंबाकू की नाथ प्रजातियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा की गेहूं की के-1317 प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य प्रांतों में क्लाइमेट स्मार्ट प्रजाति के रूप में ख्याति प्राप्त है। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 18 शस्य तकनीकी विकसित की गई हैं।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता यादव ने किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीष कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स को पप्रशस्त्र पत्र देकर सम्मानित किया गया। जबकि है एनसीसी अधिकारी डॉ सर्वेश कुमार एवं डॉक्टर रामसिंह उमराव को भी उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रश्न पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर एवं अन्य संकाय सदस्य तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
88 लखनऊ से प्रकाशित, शनिवार , 28 जनवरी 2023 पृष्ठ : 08 मूल्य : 02

राष्ट्रीय पर्व पर एनसीसी कैडेट्स एवं अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कानपुर । सीएसए में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया। तथा राष्ट्रगान के पश्चात कुलसचिव एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभी सदस्यों व एनसीसी कैडेट्स एवं सुरक्षाकर्मियों ने तिरंगा को सलामी दी।तत्पश्चात कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व विद्यालय परिवार की ओर से हम उन सभी योद्धाओं को नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। जिनकी वजह से हम इस दिन को मना रहे हैं। कुलसचिव ने कहा कि कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों के क्रियान्वयन हेतु देश में शोध संस्थानो, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ,कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूंग की प्रजाति आजाद मूंग-1, अलसी की अपर्णा, सरसों की आजाद महक, तोरिया की आजाद चेतना तथा जौं की आजाद जौं- 33 प्रजातियों का सीबीआरसी द्वारा नोटिफिकेशन हुआ है। इसके साथ ही एसबीआरसी द्वारा अलसी शेखर-7, सरसों शेखर,गेहूं के 1616, के 17 11 एवं तंबाकू की नाथ प्रजातियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा की गेहूं की के-1317 प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य प्रांतों में क्लाइमेट स्मार्ट प्रजाति के रूप में ख्याति प्राप्त है। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 18 शस्य तकनीकी विकसित की गई हैं।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता यादव ने किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीष कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स को पप्रशस्त्र पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
88 लखनऊ से प्रकाशित, शनिवार , 28 जनवरी 2023 पृष्ठ : 08 मूल्य : 02

राष्ट्रीय पर्व पर एनसीसी कैडेट्स एवं अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कानपुर । सीएसए में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया। तथा राष्ट्रगान के पश्चात कुलसचिव एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभी सदस्यों व एनसीसी कैडेट्स एवं सुरक्षाकर्मियों ने तिरंगा को सलामी दी।तत्पश्चात कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व विद्यालय परिवार की ओर से हम उन सभी योद्धाओं को नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। जिनकी वजह से हम इस दिन को मना रहे हैं। कुलसचिव ने कहा कि कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों के क्रियान्वयन हेतु देश में शोध संस्थानो, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ,कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूंग की प्रजाति आजाद मूंग-1, अलसी की अपर्णा, सरसों की आजाद महक, तोरिया की आजाद चेतना तथा जौं की आजाद जौं- 33 प्रजातियों का सीबीआरसी द्वारा नोटिफिकेशन हुआ है। इसके साथ ही एसबीआरसी द्वारा अलसी शेखर-7, सरसों शेखर,गेहूं के 1616, के 17 11 एवं तंबाकू की नाथ प्रजातियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा की गेहूं की के-1317 प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य प्रांतों में क्लाइमेट स्मार्ट प्रजाति के रूप में ख्याति प्राप्त है। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 18 शस्य तकनीकी विकसित की गई हैं।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता यादव ने किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीष कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स को पप्रशस्त्र पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सीएसए ने मनाया धूमधाम से 74 वां गणतंत्र दिवस, उत्कृष्ट कार्य हेतु हेतु एनसीसी कैडेट्स एवं अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अनवर अशरफ । कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया। तथा राष्ट्रगान के पश्चात कुलसचिव एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभी सदस्यों व एनसीसी कैडेट्स एवं सुरक्षाकर्मियों ने तिरंगा को सलामी दी।तत्पश्चात कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व विद्यालय परिवार की ओर से हम उन सभी योद्धाओं को नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। जिनकी वजह से हम इस दिन को मना रहे हैं। कुलसचिव ने कहा कि कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों के क्रियान्वयन हेतु देश में शोध संस्थानो, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ,कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूंग की प्रजाति आजाद मूंग–1, अलसी की अपर्णा, सरसों की आजाद महक, तोरिया की आजाद चेतना तथा जौ की आजाद जौ–33 प्रजातियों का सीबीआरसी द्वारा नोटिफिकेशन हुआ है। इसके साथ ही एसबीआरसी द्वारा अलसी शेखर–7, सरसों शेखर,गेहूं के 1616, के 17 11 एवं तंबाकू की नाथ प्रजातियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा की गेहूं की के–1317 प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य प्रांतों में क्लाइमेट स्मार्ट प्रजाति के रूप में ख्याति प्राप्त है। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 18 शस्य तकनीकी विकसित की गई है।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता यादव ने किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीष कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स को पप्रशस्त्र पत्र देकर सम्मानित किया गया। जबकि है एनसीसी अधिकारी डॉ सर्वेश कुमार एवं डॉक्टर रामसिंह उमराव को भी उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रश्न पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर एवं अन्य संकाय सदस्य तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।